डिफेंस कॉरिडोर में सेना के लिए छोटे हथियार बनेंगे

तैयारी

राज्य मुख्यालय | विशेष संवाददाता

यूपी रक्षा गलियारा में भारतीय सेना की रक्षा जरूरतों के मुताबिक आधुनिक उपकरण और स्माल आर्म्स का निर्माण किया जाएगा।

इसके तहत सेना में उपयोग की जाने वाली एसॉल्ट राइफल, स्नाइपर राइफल और सीक्यूबी कार्बाइन के कारतूस डिफेंस कॉरिडोर के झांसी नोड में बनाए जाएंगे। जबकि झांसी नोड में पॉलीमर फ्रेम पिस्टल के फ्रेम एवं सुरक्षा उपकरण आदि बनाए जाएंगे।

डिफेंस कॉरिडोर में डेल्टा कॉम्बैट सिस्टम्स लिमिटेड (डेल्टा) और वेरी विन डिफेंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किए जा रहे निवेश से यह संभव होगा। यह दोनों कंपनियां 215 करोड़ रुपए का निवेश कर सेना के लिए स्माल आर्म्स आदि बनाएंगी।

झांसी नोड में डेल्टा कॉम्बैट सिस्टम्स लिमिटेड (डेल्टा) 150 करोड़ रुपए का निवेश कर रही हैं। इस कंपनी को 15 हेक्टेयर भूमि आवंटित कर दी गई है। ये कंपनी सेना द्वारा प्रयोग में लायी जा रही एसाल्ट राइफल, स्नाइपर राइफल, इंसास वो राइफल, सीक्यूबी कार्बाइन के कारतूस सहित अन्य शस्त्रों के कारतूस बनाएगी। झांसी नोड में पॉलीमर फ्रेम पिस्टल के फ्रेम एवं सुरक्षा उपकरण आदि बनाए जाएंगे। यह पिस्टल संसार भर में प्रसिद्ध है और सेना में इसका खूब उपयोग होता है।

150 करोड़ रुपये डेल्टा कॉम्बैट सिस्टम्स निवेश कर रही है

झांसी नोड

- एसॉल्ट- स्नाइपर राइफल और सीक्यूबी कार्बाइन के कारतूस
- दो कंपनियां करेंगी 215 करोड़ रुपये का निवेश